AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश के भविष्य का ब्लूप्रिंट

लविवि : अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम में बोले केंद्रीय उच्च शिक्षा राज्यमंत्री

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम के शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय उच्च शिक्षा राज्यमंत्री राजकुमार रंजन सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत के भविष्य का ब्लूप्रिंट है। इसमें नवाचार से लेकर शोध तक की प्रमोशिकता दी गई है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री पोनीष उपाध्याय ने कहा कि विद्यार्थी को ऐसी शिक्षा मिले जिसमें वह स्वावलंबी, संस्कारी और रोजगार मूलक कार्य वाला बने। नई शिक्षा नीति में हर सभी विद्युओं और विषयों को समाहित किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज विलक्षण प्रतिभा के धनी थे जो मात्र एक श्लोक विचारकर अगले हजार वर्षों की भविष्यवाणी कर पाने में सक्षम थे। हमें उसी ज्ञान को आधुनाक है। भन्नवाद ज्ञान उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने किया। उन्होंने कहा कि परिसर सबसे में देश प्रेम युग में पहुंच गया है, जो अमृत समागम है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य अंतर्जाहित पूर्णता को पाना है। शिक्षण संस्थानों को इसमें अहम भूमिका है। यह समागम ऐसी समग्र भूमिकाओं और विकल्पों सृजित करेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, समाज देव सिंह, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश चंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

लविवि में आयोजित अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मंच में मौजूद केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह, प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री पोनीष उपाध्याय, कुलपति प्रो. आलोक राय, राष्ट्रीय अध्यक्ष वीबीएसएस प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा। • अमर उजाला

आज इन सत्रों में उच्च शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर होगी चर्चा

- दोपहर 1:30 से दो बजे के बीच डिजीटेल मल्टी डिसीप्लेनरी एजुकेशन नइ होगा। वर्तमान व्यवस्था आईएसओ के निदेशक प्रो. अखिलेश चंद्र पांडेय, एचएसएसएल यूनिवर्सिटी से प्रो. कृष्णा गोयल और एनआईटीटीई एजुकेशन ट्रस्ट के निदेशक अकादमिक प्रो. राजेश शुक्ला होंगे। सत्र की अध्यक्षता करेंगे राजस्थान सांसद प्रो. दिनेश शर्मा।
- उच्च शिक्षण संस्थानों को विकेंद्रित और मान्यता सत्र को चैक के निदेशक प्रो. गणेशन कन्नबीरन और आईआईएम बागपुर के निदेशक प्रो. भीमराया गेडी संबोधित करेंगे। अध्यक्षता केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब के कुलपति प्रो. रमेशेर्ष्टी, विजयी करेंगे।
- उच्च शिक्षण संस्थानों में भारतीय भाषाओं का संरक्षण व एकीकरण सत्र में इन्ड के कुलपति प्रो. जगेश्वर राय और चाणु कृष्ण शास्त्री संबोधित करेंगे। अध्यक्षता करेंगे आईआईटी कानपुर के प्रो. अभिजात अवस्थी।
- समग्र शिक्षा के लिए अनुशंसित एवं नवाचार सत्र में मदीर चक्का आईआईएम अहमदाबाद के निदेशक प्रो. भरत भास्कर, आईसीएसएसआर के चेयरमैन प्रो. पनंजय सिंह और कॉटन यूनिवर्सिटी के कुलपति रंगेश भट्टे शेखा होंगे। वहीं आईसीएसटीई, अध्यक्षकेंद्र के कुलपति प्रो. सोमकला सीन त्रिपाठी अध्यक्ष होंगे।

लखनऊ, नैमिषारण्य व अयोध्या का भ्रमण करें : योगी आदित्यनाथ

समागम के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा। मुख्यमंत्री ने अनुशंसा किया कि वे लखनऊ, नैमिषारण्य व अयोध्या का भ्रमण करें और इन जगहों पर क्या नया हो सकता है, यह सुझाव भी हमें उपलब्ध कराएं।

यूजीसी के चेयरमैन के संबोधन से होगी दूसरे दिन के सत्र की शुरुआत

संस्थागत नेतृत्व समागम के दूसरे दिन शुक्रवार को विभिन्न शिक्षाविदों के तकनीकी सत्र होंगे। शुक्रवार यूजीसी चेयरमैन प्रो. एम. जगदीश कुमार से होंगे। मुख्य 10 से 11:30 बजे तक चलने वाले सत्र में नेशनल एजुकेशनल टेक्नोलॉजी फोरम के चेयरमैन प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे और भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चानू कृष्ण शास्त्री चर्चा करेंगे। अवसरण के बाद सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल का संबोधन मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा।

अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम में लविवि की संस्कृतिकी की निदेशक प्रो. महुरीना लाल के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस दिन के छात्रों ने सतरंगाई पेश की। रात्र की मुख्य आकर्षण शीत व्यवाह रही। • अमर उजाला

कुलपति को सौंपा डाक टिकट व एल्बम

लखनऊ। मंडल के पोस्टमास्टर जनरल विवेक दक्ष ने बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से मुलाकात की। उन्होंने कुलपति को श्रीराम मंदिर परिसर पर जारी डाक टिकट व एल्बम को भेंट किया। यह एल्बम 20 विभिन्न देशों द्वारा श्रीराम के जीवन पर आधारित डाक टिकटों के संकलन पर आधारित पुस्तक है। डाक टिकट को निर्मित करते समय अयोध्या के पवित्र सरयू नदी का जल एवं श्री राम मंदिर परिसर की मिट्टी का प्रयोग किया गया है। (संवाद)

वोकेशनल कोर्स की सूची जारी

लखनऊ। लखनऊ विवि ने बृहस्पतिवार को विज्ञान संकाय के वोकेशनल कोर्स की सूची जारी कर दी। यूडीआरसी पोर्टल पर विद्यार्थी 24 फरवरी तक विषय चयन कर सकते हैं। विवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत स्नातक दूसरे व चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को वोकेशनल कोर्स पढ़ना अनिवार्य है। विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो. शीला मिश्रा ने वोकेशनल कोर्स की विस्तृत सूची जारी कर दी है। इसमें प्राणि विज्ञान, भू-भर्भ विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, सांख्यिकी, भौतिक विज्ञान, गणित और कंप्यूटर साइंस के दूसरे व चतुर्थ सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्स शामिल हैं। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी यूडीआरसी पोर्टल पर जाकर वोकेशनल कोर्स का चयन के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। (संवाद)

NBT PAGE 1

समागम योगी बोले-देश की तरक्की में सबको योगदान देना होगा

'युवाओं को शिक्षित ही नहीं, ज्ञानी भी बनाएं'

■ एनबीटी, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाओं को केवल शिक्षित ही नहीं, ज्ञानवान भी बनाना है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि जब युवा डिग्री लेकर संस्थान से निकले तो आत्मविश्वास से भरपूर हों। योगी विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरुवार को आयोजित अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2024 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम इसमें अहम भूमिका निभा सकता है।

योगी ने कहा कि शिक्षण संस्थानों के पास भारत के गौरव को फिर से स्थापित करने का अवसर है। उन्होंने दूसरे राज्यों से आए अतिथियों से अनुरोध किया कि लखनऊ, नैमिषारण्य व अयोध्या का भ्रमण करें और इन जगहों पर क्या नया हो सकता, ये सुझाव भी दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में भारत का गौरव बढ़ रहा है। 3-4 साल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। देश की तरक्की में हर राज्य, जनपद, गांव और व्यक्ति को योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले शिक्षण संस्थान केवल डिग्री और डिप्लोमा बंट रहे थे, विद्यार्थियों के पास ज्ञान और कौशल नहीं था। लेकिन, अब नवाचार, शोध और विकास की नई परिपाटी को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले सामान्य जन के मन में अविश्वास व असमंजस था। सीमाएं असुरक्षित थीं। लेकिन आज ऐसी स्थिति नहीं है।

उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में भारत एकमात्र ऐसा देश है जो अपने 5-7 हजार साल पुराने इतिहास के साक्ष्य सामने रख सकता है। अयोध्या में राम मंदिर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

LU के वीसी ने सीएम योगी को स्मृति चिह्न स्वरूप घड़ी भेंट की।

JAGRAN CITY PAGE III

'डिग्री के साथ ज्ञान से परिपूर्ण होकर बाहर निकलें युवा'

लखनऊ विश्वविद्यालय में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम का सीएम ने किया शुभारंभ

जागरण संवाददाता, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब हमने अपनी गौरवपूर्ण परंपरा को महत्व देना बंद कर दिया। गुलामी मानसिकता की वजह से जो परायी हो उसे महत्व देना शुरू कर दिया। इसका परिणाम सबके सामने है। अब अवसर है देश के गौरव को स्थापित करते हुए अपनी भूमिका को लेकर आगे बढ़ाने का। उच्च शिक्षण संस्थानों को केवल डिग्री और डिप्लोमा देने तक खुद को सीमित न रखते हुए नया चिंतन, नवाचार, शोध की परिपाटी को आगे बढ़ाने के लिए आगे आना होगा। यहां से विद्यार्थी हिंद्रो के साथ सर्वांगीण विकास, व्यावहारिक ज्ञान से परिपूर्ण होकर निकलें। मुख्यमंत्री गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के नवनिर्मित वाल्मीकि मंडप में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की ओर से तीन आयोजित दिवसीय भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम के शुभारंभ पर देश भर से आए उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय हुआ करते थे। कोई भी देश पांच हजार, 12 हजार वर्ष पुराने इतिहास के गौरव को नहीं रख सकता। यहां वैदिक ज्ञान का भरपूर भंडार है, जो दुनिया को नई राह दिखा सकता है। उस धरोहर को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। देश के शिक्षण संस्थान इसे प्राथमिकता मानकर चलेंगे तो लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि देश को 2047 तक विकसित भारत बनाना है। अगले तीन वर्ष में देश विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पहले भारत के पासपोर्ट को दुनिया में महत्व नहीं मिलता था। वर्ष 2014 के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारतीय पासपोर्ट की कीमत बढ़ी है। उन्होंने समागम में अधिकियों से अपेक्षा की कि यहां से निकला विभर्श प्रदेश और देश की शिक्षा और समाज को नई दिशा देने वाला हो।

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री डा. राजकुमार रंजन सिंह ने कहा कि नई शिक्षा केवल नीति नहीं, देश को आगे बढ़ाने का बल्कि प्रेरित है। इसके माध्यम से शिक्षा को गुणवत्ता देश के कोने-कोने तक पहुंच रही है। भाषा अब बैरियर नहीं है, भाषायी विविधता को बनाए रखते हुए गुणवत्तापरक शिक्षा आगे बढ़ रही है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने प्राचीन ऋषि मुनियों के ज्ञान, विज्ञान की चर्चा करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति प्राचीन वैज्ञानिक परंपरा को लेकर आगे बढ़ेगी। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि ईंदौर के बाद लखनऊ में दूसरा समागम हो रहा है। इसका उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से ऐसे संस्कारित युवक-युवतियों को खड़ा करने की है जो देश का चित्र बदलें। शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में जो आवश्यक है, वह किया जाएगा। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. आलोक कुमार राय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मजबूती का स्वागत किया। उच्च शिक्षा मंत्री पोनीष उपाध्याय ने कहा कि प्राचीन भारतीय इतिहास में भी हमारी वैज्ञानिक पद्धतियों का उल्लेख है। खगोल विज्ञान के माध्यम से सैकड़ों वर्ष पूर्व नक्षत्रों के आधार पर समय और वस्तु-स्थितियों की जानकारी दे देते थे। आज हमें संस्कृति और शिक्षा को समायोजित कर मजबूती देना है।

राष्ट्रीय विकास का खाका है नई शिक्षा नीति केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह ने कहा कि एनईपी 2020 केवल परिवर्तन और सरस्वती गीत गाने पर विचार होता था, उस दौर में सरस्वती शिशु मंदिर ने उसे जीवंत बनाए रखा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम का दीप जलाकर शुभारंभ करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में उपस्थित केंद्रीय मंत्री डा. राजकुमार रंजन सिंह, उच्च शिक्षा मंत्री पोनीष उपाध्याय, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व प्रो. मेनका हर्ष शर्मा • जागरण

मुख्यमंत्री ने कहा, अयोध्या और नैमिषारण्य देखने जरूर जाएं

योगी ने कहा कि लखनऊ में यह आयोजन भारत की उस प्राचीन परंपरा का स्मरण कराता है, जिसे सदियों पूर्व यहां से 70 किलोमीटर दूर नैमिषारण्य में 88 हजार ऋषियों ने मंथन के माध्यम से भारत की वैदिक परंपरा को लिपिबद्ध करने का कार्य किया था। यहीं से स्वर फूटे थे कि 'आ नो भद्रा क्रतवो यंतु विश्वतः...' यानी ज्ञान प्राप्त करने के लिए सभी दिशाओं को खुला रखना चाहिए। ऋषियों ने कई वर्ष रहकर मंथन से जो अमृत निकाला, वह भारत का अमर ज्ञान है। इस परंपरा को फिर रूप में बढ़ा सकते हैं, इस पर हमें तैयार होना होगा। साथ ही अतिथियों से आग्रह किया कि वह नैमिषारण्य और अयोध्या जरूर देखने जाएं। यहां कुछ नया करने के सुझाव का भी स्वागत रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि लव उदयोतन और सरस्वती गीत गाने पर विचार होता था, उस दौर में सरस्वती शिशु मंदिर ने उसे जीवंत बनाए रखा।

आज से विशेषज्ञ करेंगे मंथन

शुक्रवार 16 फरवरी को अंतर संस्थागत विकास पर परिसंवाद शुरू होगा। इसमें कुलपतियों ग्रुप कमीशन के चेयरमैन प्रो. एम. जगदीश कुमार, राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी फोरम (एनईटीएफ) के अध्यक्ष अनिल सहस्रबुद्धे, हार्ड पावर डायनेमिक्स एंड इमोशन आफ इंडियन लेनदेन के चेयरमैन वानु कृष्णा आदि चर्चा करेंगे। वीकेयर में डायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस (एसएसआइ) के अमृतव के साथ बैठक होगी। डिसीप्लेंस मल्टी डिसीप्लिनरी एजुकेशन सत्र में आइएसएसी के निदेशक प्रो. अभिनाश चंद्र पांडेय, एफएलएमईई यूनिवर्सिटी से प्रो. सुगाक गोयल और एनआईटीटीई एजुकेशन ट्रस्ट के निदेशक अकादमिक प्रो. संदीप शास्त्री होंगे।

सांस्कृतिक संध्या ने मन मोहा

समागम में सांस्कृतिक संध्या में विद्यार्थियों ने भामबोहक प्रस्तुति दी। गणेश वंदना के बाद उर्दू विभाग की छात्रा ने प्रस्तुति दी। छात्र-छात्राओं ने सौन्दर्य स्वरूपर में सौन्दर्य और राम के आदर्श ज्ञान की परशाखा को वर्णित करते हुए धनुष्यभंग और सीता विवाह का मंचन किया। एक प्रोफेशनल कत्थाकार की तरह छात्राओं की प्रस्तुति रही। संस्कृति निदेशिका प्रो. महुरिना लाल के निदेशन में प्रस्तुति हुई।

AMAR UJALA PAGE 4

डिग्री ही नहीं, व्यावहारिक ज्ञान भी दें संस्थान : योगी

सीएम का सबक : संस्थान से पढ़कर निकलें तो आत्मविश्वास से भरपूर हों छात्र

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि छात्र जब उच्च शिक्षण संस्थान से बाहर आता है तो उसे पता नहीं होता कि अब क्या करना है। इसलिए संस्थान उन्हें शिक्षित बनाने, डिग्री देने के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी दें।

सीएम बहुस्तरीयता को विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा लखनऊ विवि में आयोजित अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2024 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को भटकाव से दूर करने का माध्यम है। इसमें छात्रों के चरित्र व सर्वांगीण विकास पर मंथन करें। आज भारत के गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए शिक्षण संस्थानों के पास फिर से अवसर है। सीएम ने विभिन्न राज्यों से आए आगंतुकों से अनुरोध

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम में बोलते सीएम योगी। अमर उजाला

दायित्वों को समझ लें तो 2047 तक भारत होगा विकसित

सीएम ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना साकार करने का कार्य केवल देश के नेतृत्व का ही नहीं, बल्कि राज्यों, जिलों, गांवों, व्यक्ति व शिक्षण संस्थानों का भी है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जो व्यक्ति जहां भी सेवा प्रदान कर रहा है, यदि अपने दायित्वों को सही ढंग से समझ ले तो फ्रेम मोदी के विजन के अनुरूप 2047 में दुनिया की कोई ताकत भारत को विकसित देश बनने से नहीं रोक सकती।

■ सीएम ने कहा अब वंदे मातरम् व सरस्वती वंदना पर विवाद नहीं होता है। पहले यह सिर्फ सरस्वती शिशु मंदिर और विद्या भारती के शिक्षण संस्थानों में गाए जाते थे।

88 हजार ऋषियों ने नैमिषारण्य में मंथन से निकाला अमर ज्ञान

सीएम ने कहा कि नैमिषारण्य में 88 हजार ऋषियों ने मंथन के माध्यम से भारत की वैदिक परंपरा को लिपिबद्ध करने का कार्य किया था। एक बार फिर से इसकी शुरुआत देश के हृदय स्थल उत्तर प्रदेश में इस कार्यक्रम से होने जा रही है। सीएम ने आगंतुकों से अनुरोध किया कि लखनऊ, नैमिषारण्य व अयोध्या का भ्रमण करें।

भारतीयता के उच्चतम शिक्षा का केंद्र बना विद्या भारती: सीएम ने कहा कि विद्या भारती दोनों से शिशु मंदिर से प्रारंभ होता है और देश-दुनिया के अंदर भारतीय व भारतीयता के उच्चतम शिक्षा का केंद्र बना हुआ है। आज देश में अनुकूल वातावरण है। संसद व विधानसभाओं में अब राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत पर विवाद नहीं होता, लेकिन एक समय वह भी था, जब सरस्वती शिशु मंदिरों व विद्या भारती के शिक्षण संस्थानों में ही केवल वंदे मातरम होता था। सरस्वती वंदना व वंदे मातरम को प्रदेश में इस कार्यक्रम से होने जा रहे हैं। सीएम ने आगंतुकों से अनुरोध किया कि लखनऊ, नैमिषारण्य व अयोध्या का भ्रमण करें।

भारतीयता के उच्चतम शिक्षा का केंद्र बना विद्या भारती: सीएम ने कहा कि विद्या भारती दोनों से शिशु मंदिर से प्रारंभ होता है और देश-दुनिया के अंदर भारतीय व भारतीयता के उच्चतम शिक्षा का केंद्र बना हुआ है। आज देश में अनुकूल वातावरण है। संसद व विधानसभाओं में अब राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत पर विवाद नहीं होता, लेकिन एक समय वह भी था, जब सरस्वती शिशु मंदिरों व विद्या भारती के शिक्षण संस्थानों में ही केवल वंदे मातरम होता था। सरस्वती वंदना व वंदे मातरम को प्रदेश में इस कार्यक्रम से होने जा रहे हैं। सीएम ने आगंतुकों से अनुरोध किया कि लखनऊ, नैमिषारण्य व अयोध्या का भ्रमण करें।

i-NEXT PAGE 3

वीसी को एल्बम किया गया भेंट

LUCKNOW (15 Feb) : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय से गुरुवार को लखनऊ मंडल के पोस्ट मास्टर जनरल विवेक दक्ष ने मुलाकात की. उन्होंने कुलपति को श्रीराम मंदिर परिसर पर जारी डाक टिकट एवं एल्बम भेंट किया.

भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित है एल्बम

यह एल्बम 20 विभिन्न देशों द्वारा श्री राम के जीवन पर आधारित डाक टिकटों के संकलन पर आधारित एक पुस्तक है. इस डाक टिकट को निर्मित करते समय अयोध्या के पवित्र सरयू नदी का जल एवं श्री राम मंदिर परिसर की मिट्टी का प्रयोग किया गया है. इसमें पांच तत्वों अग्नि, जल, भूमि, वायु एवं आकाश को प्रतिबिंबित भी किया गया है.

डिग्री संग हो व्यावहारिक ज्ञान

एलयू जो भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम का लीडिंग योगी ने किया शुभारंभ

पर देश भर से आए उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे.

वैदिक ज्ञान का भरपूर भंडार

उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय हुआ करते थे. कोई भी देश पांच हजार, 12 हजार वर्ष पुराने इतिहास के गौरव को नहीं रख सकता. यहां वैदिक ज्ञान का भरपूर भंडार है, जो दुनिया को नई राह दिखा सकता है। उस धरोहर को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए. देश के शिक्षण संस्थान इसे प्राथमिकता मानकर चलेंगे तो लक्ष्य को प्राप्त करेंगे.

अयोध्या और नैमिषारण्य जाएं

योगी ने कहा कि नैमिषारण्य में 88 हजार ऋषियों ने वैदिक ज्ञान को लिपिबद्ध किया. यहां और अयोध्या को जरूर देखने जाना चाहिए. अयोध्या में कुछ बेहतर करने का सुझाव या भी स्वागत रहेगा. उन्होंने यह भी कहा कि जब हमने अपने गौरव को भुला दिया तभी गुलामी मन पर बेहद हावी हो गई. इस दौर में सरस्वती शिशु मंदिर ने उसे जीवंत बनाए रखा.

देश का चित्र बदल दें

उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय हुआ करते थे. यहां वैदिक ज्ञान का भरपूर भंडार है, जो दुनिया को नई राह दिखा सकता है. उस धरोहर को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए. देश के शिक्षण संस्थान इसे प्राथमिकता मानकर चलेंगे तो लक्ष्य को प्राप्त करेंगे.

12 हजार वर्ष पुराने इतिहास के गौरव को नहीं रख सकता. वहां वैदिक ज्ञान का भरपूर भंडार है, जो दुनिया को नई राह दिखा सकता है. उस धरोहर को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए. देश के शिक्षण संस्थान इसे प्राथमिकता मानकर चलेंगे तो लक्ष्य को प्राप्त करेंगे.

लवि कुलपति को भेंट किया राम मंदिर का डाक टिकट

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय से गुरुवार को लखनऊ मंडल के पोस्ट मास्टर जनरल विवेक दक्ष ने मुलाकात की। उन्होंने कुलपति को श्रीराम मंदिर परिसर पर जारी डाक टिकट एवं एक एल्बम भेंट किया। यह एल्बम 20 विभिन्न देशों द्वारा श्री राम के जीवन पर आधारित डाक टिकटों के संकलन पर आधारित एक पुस्तक है। इस डाक टिकट को निर्मित करते समय अयोध्या के पवित्र सरयू नदी का जल एवं श्री राम मंदिर परिसर की मिट्टी का प्रयोग किया गया है। इसमें पांच तत्वों अग्नि, जल, भूमि, वायु एवं आकाश को प्रतिबिंबित भी किया गया है। (जास)

वोकेशनल कोर्स का चयन 24 तक

जास, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक विज्ञान संकाय के दूसरे व चौथे सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को वोकेशनल पाठ्यक्रम का चयन 24 फरवरी तक करना होगा। इसके लिए दूसरे व चौथे सेमेस्टर में इन पाठ्यक्रम की सूची विश्वविद्यालय के यूडीआरसी पोर्टल पर देनी गई है।

इस संबंध में विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रोफेसर शीला मिश्रा ने गुरुवार को नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। यदि विषय चयन में कोई समस्या आती है तो यूडीआरसी पोर्टल के कंप्यूटर सेंटर इंचार्ज से विद्यार्थी संपर्क कर सकते हैं।

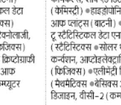

प्रथम सेमेस्टर

- मेरिटल्पथ : मैथेड्स एंड प्रासेजेट्स (जुलाजी •जोयोलाजी (जियोलाजी)
- फूड केमिस्ट्री केमिस्ट्री •म्यासम कटेलिशन टेक्नोलाजी बाटनी)
- इंट्रोडक्शन टू स्टेटिस्टिकल डेटा एनालिसिस-1 (स्टेटिस्टिक्स)
- सोलर फोटोवोल्टाइक टेक्नोलजी, आर्टोलेक्ट्रानिक्स-1 (बिजिक्स)
- एप्लीकेटी नंबर थ्योरी एंड क्रिप्टोग्राफी (मैथमैटिक्स) •बैसिक्स आफ कम्प्यूटर-1, वीसी-1 (कम्प्यूटर साइंस)

चौथा सेमेस्टर

- इंट्रोडीयो इन जुलाजी (जुलाजी)
- जियोआर्किओलाजी (जियोलाजी)
- इंट्रोडक्शन आफ इंडस्ट्रल होल्ड केमिकल्स, शाप एंड डिटरजेंट (केमिस्ट्री) •इंडस्ट्रीजनिस्ट फर्टीलेशन आफ प्लांट्स (बाटनी) •इंट्रोडक्शन टू स्टेटिस्टिकल डेटा एनालिसिस-2 (स्टेटिस्टिक्स •सोलर थर्मल एप्लीकेशन, कन्वर्जन, आर्टोलेक्ट्रानिक्स-2 (बिजिक्स) •एलीमेंट्री डिस्ट्रोब्यूटीड (मैथमैटिक्स •बैसिक्स आफ वेब डिजाइन, वीसी-2 (कम्प्यूटर साइंस)

कार्यक्रम को संबोधित करतीं उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी • जागरण

प्राचीन वैज्ञानिक परंपरा को लेकर आगे बढ़ेगी। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि ईंदौर के बाद लखनऊ में दूसरा समागम हो रहा है। इसका उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से ऐसे संस्कारित युवक-युवतियों को खड़ा करने की है जो देश का चित्र बदलें। शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में जो आवश्यक है, वह किया जाएगा। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. आलोक कुमार राय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मजबूती मिल सके। मंथन में तकनीकी उन्नति, रोजगार के लिए तैयारियां करार सामाजिक सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

समागम में छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं • जागरण

विशेषज्ञ उसकी चर्चा करेंगे। रजनी तिवारी ने आधार जताते हुए कहा कि आज पूरे देश में उत्तर गुण का माहौल दिखाई रहा है। समागम में देश भर के विश्वविद्यालय, आइआइटी, आइआइएम के प्रतिनिधि, शिक्षाविद, कुलपति, प्राचार्य उपस्थित रहे।

HINDUSTAN PAGE 06

लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरुवार को अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम- 2024 के उद्घाटन समारोह में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। • हिन्दुस्तान

युवाओं को ज्ञानवान भी बनाना है: सीएम

मुख्यमंत्री ने लखनऊ विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम का किया उद्घाटन

आयोजन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षण संस्थान युवाओं को शिक्षित तो बना दे रहे हैं पर जब छात्र उच्च शिक्षण संस्थान से बाहर आता है तो उसके पास ज्ञान नहीं होता कि अब क्या करना है। यह कार्यक्रम उस भटकाव से दूर करने का माध्यम है। उसके चरित्र व सर्वांगीण विकास के लिए मंथन करें। केवल शिक्षित ही नहीं, बल्कि उसे ज्ञानवान भी बनाना है। वह व्यावहारिक ज्ञान से परिपूर्ण हो। जब वह शिक्षण संस्थान से निकले तो भारत के ऐसे नागरिक के रूप में खुद को जाने जो आत्मविश्वास से भरपूर हो। जीवन के जिस भी क्षेत्र में जो जिम्मेदारी दी जाए, वह आत्मविश्वास के साथ उसे चुनौती के रूप में स्वीकार कर लक्ष्य तक पहुंचाने में अपना योगदान दे सके। यह कार्य उच्च शिक्षण संस्थान से जुड़े आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम और केंद्र-राज्य विश्वविद्यालय आदि कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान की ओर से ऐतलूद में अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम- 2024 के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत के गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए शिक्षण संस्थानों के पास फिर से अवसर है। सीएम ने कहा कि पीएम मोदी जी ने देशवासियों का आह्वान किया कि जब देश आजादी का शताब्दी महोत्सव मना रहा होगा तो हमें कैसा भारत चाहिए। उस भारत के लिए हमारे स्तर पर क्या योगदान हो सकता है। किकविस भारत की परिकल्पना साकार करने के लिए हर भारतवासी के स्तर पर क्या भूमिका होनी चाहिए। यह केवल देश के नेतृत्व का ही नहीं, बल्कि राज्यों, जिलों, गांवों, व्यक्ति व शिक्षण संस्थानों का भी कार्य है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जो व्यक्ति जहां भी सेवा प्रदान कर रहा है। यदि अपने दायित्वों को सही ढंग से समझ सके तो देख रहे हैं। जब संसाधन नहीं थे तो 88 हजार ऋषियों ने कई वर्ष रहकर अनुकूल वातावरण है। संसद व विधानसभाओं में अब राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत पर विवाद नहीं होता, लेकिन एक समय वह भी था, जब सरस्वती शिशु मंदिरों व विद्या भारती के शिक्षण संस्थानों में ही केवल वंदे मातरम होता था। सरस्वती वंदना व वंदे मातरम को प्रदेश में इस कार्यक्रम से होने जा रहे हैं। सीएम ने आगंतुकों से अनुरोध किया कि लखनऊ, नैमिषारण्य व अयोध्या का भ्रमण करें।

एजुकेशन 5.0 का युग आरंभ हो गया: कुलपति

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय